(b) Meghe Maghe Gatam Vayah
मेघे माघे गतं वयः

(c) Types of Murkha
मूर्खों के प्रकार

(d) Importance of vidya
विद्या का महत्व

3. Throw light on the origin and development of the Mahakavya. 10
महाकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

OR
अथवा

Write an essay on important Gitikavya's.
प्रमुख गीतिकाव्यों पर निबंध लिखिए।

4. Write short notes on any **two** of the following : 2×4=8
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
कालिदास, अश्वघोष, जयदेव, भारवि।

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2609** **I**

Unique Paper Code : 2132201102
Name of the Paper : Sanskrit Poetry DSC-1
Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit**
Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :
परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit, English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत, अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. Explain **two** shlokas from each part : 7×6=42

निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से **दो-दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए।

भाग – क

(i) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव।।

(ii) सोऽहमाजन्मशुद्धानामाफलोदयकर्मणाम् ।
आसमुद्रक्षितीशानामानाकरथवर्त्मनाम्।।

(iii) आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः।
आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः।।

(iv) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम्।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम्।।

भाग – ख

(i) तुल्येऽपराधे स्वर्भानुभार्नुमन्तं चिरेण यत्।
हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम्।।

(ii) सखा गरीयान् शत्रुश्च कृत्रिमस्तौ हि कार्यतः।
स्याताममित्रौ मित्रे च सहजप्राकृतावपि।।

(iii) स्वयं प्रणमतेऽल्पेऽपि परवायावुपेयुषि।
निदर्शनमसाराणां लघुर्बहुतृणं नरः।।

(iv) षड्गुणाः शक्तयस्तिस्रः सिद्धयश्चोदयास्त्रयः।
ग्रन्थानधीत्य व्याकर्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम् ।।

भाग – ग

(i) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते।
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(ii) शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।।

(iii) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि च तं नरं न रञ्जयति।।

(iv) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

2. Write essay on any **three** of the following : 3×10=30

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर निबंध लिखिए :

(a) Language style of Kalidasa
कालिदास की भाषा-शैली